बीपीसीसी 109

कला स्नातक (ऑनर्स) मनोविज्ञान (बीएपीसीएच)

कोर पाठ्यक्रम (CC)

सत्रीय कार्य
जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोड : बीपीसीसी 109
पाठ्यक्रम शीर्षक : विकासात्मक मनोविज्ञान

मनोविज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य
2024-2025

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है कि इग्नू मनोविज्ञान के कोर पाठ्यक्रम में मूल्यांकन तीन भागों में है। इस पाठ्यक्रम में मूल्यांकन, इस प्रकार से है,: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत् मूल्यांकन, ii) ट्यूटोरियल और iii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 20 प्रतिशत, ट्यूटोरियल के लिए 10 प्रतिशत तथा सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित है।

बीपीसीसी 109, 6 क्रेडिट (4 क्रेडिट सिद्धांत + 2 क्रेडिट ट्यूटोरियल) का पाठ्यक्रम है। आपको **बीपीसीसी 109** के 4 क्रेडिट के लिए **सत्रीय कार्य** करने होंगे। 2 क्रेडिट की ट्यूटोरियल संबंधित गतिविधि सत्रीय कार्य के भाग ख में सम्मिलित की गई है। यह गतिविधि 2 क्रेडिट की है।

भाग कः सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ एवं जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में लघु श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

भाग खः ट्यूटोरियल– सत्रीय कार्य के भाग ख में दी गई गतिविधि को पूरा करके अपने अध्ययन केन्द्र पर अलग से जमा करिए। इसका मूल्यांकन आपके शैक्षणिक परामर्शदाता करेगें। यह गतिविधि सत्रीय कार्य के अतिरिक्त की जायेगी।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के

भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा, तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तिथि	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2024 एवं जनवरी 2025	31 मार्च, 2025 एवं 30 सितम्बर, 2025	**पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करें।**

आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर जमा करने होंगे, जिससे आप सत्रांत परीक्षा दे सके।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। पूर्ण किये हुए सत्रीय कार्य आपको प्रेषित किये गये अध्ययन केन्द्र के संचालक को ही भेजने होंगे।

सत्रीय कार्य लिखने से पहले नीचे दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक अनुकरण करें:

1. आपके लिए नीचे दिए गये तथ्यों पर ध्यान केन्द्रित करना उपयोगी साबित होगा।

   क) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

   ख) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

      क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

      ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

      ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

   ग) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ**

और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है। जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए A4 साइज पेपर का प्रयोग करें और सभी पेजों को ध्यानपूर्वक टैग करें। बायीं ओर 4 सेमी का हाशिया और दो उत्तरों के बीच कुछ जगह छोड़े। उपयुक्त जगहों पर छोड़े गये हाशिया में उपयुक्त टिप्पणी करने के लिए शैक्षणिक परामर्शदाता की सुविधा होगी।

3. ***उत्तर आपकी स्वयं की लिखावट में होनी चाहिए।*** अपने उत्तरों को टाइप या प्रिंट न करें। विश्वविद्याय द्वारा भेजे गये अध्ययन सामग्री से अपने उत्तर की नकल न करें। अगर आप अध्ययन सामग्री से नकल करते हैं तो आपको शून्य अंक मिलेंगे।

4. आपको सत्रीय कार्य की एक प्रति पूर्ण किये सत्रीय कार्य के साथ इसे जमा करने से पहले संलग्न करनी होगी।

5. अगर आपने अध्ययन केन्द्र परिवर्तित के लिए निवेदन किया हुआ है, तो आपको सत्रीय कार्य, मूल अध्ययन केन्द्र में ही जमा करना चाहिए जब तक कि आपको विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्र के बदलने की सूचना ना मिल जाये।

6. अगर आपको अपने सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के पश्चात् कोई वास्तविक त्रुटि मिलती है जैसे, सत्रीय कार्य का कोई हिस्सा का मूल्यांकन नहीं हुआ हो या कुल अंक जो संत्रीय कार्य पर गलत अंकित है, आदि। ऐसी त्रुटियों के सुधार के लिए और मुख्यालय में सही अंको को भेजने के लिए, अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक से संपर्क करें।

शुभकामनाओं के साथ,

मनोविज्ञाान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,

इग्नू, नई दिल्ली

बीपीसीसी 109 : विकासात्मक मनोविज्ञान
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः BPCC 109
सत्रीय कार्य कोड : बीपीसीसी 109 /ए.एस.एस.टी./TMA/ जुलाई, 2024 - जनवरी, 2025
अधिकतम अंकः 70

नोटः 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2) सत्रीय कार्य अधिकतम 70 अंक का है। ट्यूटोरियल अधिकतम 30 अंक का है।
3) सत्रीय कार्य एवं ट्यूटोरियल अलग से जमा किए जाएंगे।

भाग क

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत है। 2x20=40

1. हैविगर्स्ट के विकासात्मक कार्य सिद्धांत का वर्णन कीजिए।

2. समाजोपकारी व्यवहार को परिभाषित कीजिए। बाल्यवस्था में समाजोपकारी व्यवहार को प्रभावित करने वाले विभिन्न रूपों और कारकों पर चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। 6x5=30

3. आचरण विकार

4. जेंडर स्कीमा

5. पाड़ या पांइट (seaffdding)

6. प्रकृति पोषण

7. भाषा और मस्तिष्क

8. विकास में महत्वपूर्ण अवधि और संवेदनशील अवधि

भाग ख
ट्यूटोरियल
(ट्यूटोरियल अध्ययन केन्द्र पर अलग से जमा किया जाएगा)

पाठ्यक्रम कोडः BPCC 109
ट्यूटोरियल कोड : ट्यूटोरियल/ जुलाई, 2024 - जनवरी, 2025
अधिकतम अंकः 30

नोटः दिए गए निर्देशों के अनुसार गतिविधियों को पूरा कीजिए। कृपया गतिविधियों को एक सुसंगत एवं संगठित तरीके से करने का प्रयास कीजिए। प्रत्येक गतिविधि के लिए शब्द सीमा लगभग 500 शब्द की है। प्रत्येक गतिविधि 15 अंकों की है। गतिविधियों के लिए, आप स्व–शिक्षण सामग्री तथा किसी भी अन्य प्रासंगिक ऑफलाइन या ऑनलाइन संसाधनों का संदर्भ ले सकते है। प्रत्येक इकाई के अंत में कुछ उपयोगी संसाधन भी सूचीबद्ध हैं।

1) हेंज नैतिक दुविधा कोहलबर्ग, लॉरेंस (1981) से संशोधित। *Essays on Moral Development, Vol. I: The Philosophy of Moral Development*. सैन फ्रांसिस्को, सीएः हार्पर एंड रो।

एक महिला, बहुत बुरी बीमारी, जो कि एक विशेष प्रकार के कैंसर की वजह से मृत्यु के करीब थी। एक दवा थी जिसे डॉक्टरों ने सोचा था कि वह उसे बचा सकती है। यह रेडियम का एक रूप था जिसे उसी शहर के एक औषध विक्रेता ने हाल ही में खोजा था। दवा बनाना मंहगा था, लेकिन औषध विक्रेता दस गुना शुल्क रहा था जो दवा बनाने के लिए उसे खर्च करना था। उन्होंने रेडियम के लिए $ 200 का भुगतान किया और दवा की एक छोटी खुराक के लिए $ 2000 का शुल्क लिया। बीमार महिला के पति, हेनज़ पैसे उधार लेने के लिए हर किसी के पास गए, लेकिन वह केवल $ 500 ही मिल सके। उसने औषध विक्रेता को बताया कि उसकी पत्नी मरणकालीन में है और उसे इसे कम शुल्क में बेचने या बाद में भुगतान करने के लिए कहा। लेकिन औषध विक्रेता ने कहा, ''नहीं, मैंने दवा की खोज की और मैं इससे पैसा बनाने जा रहा हूं। हेनज़ हताश हो गया और अपनी पत्नी के लिए दवा चोरी करने के लिए व्यक्ति के दुकान में घुस गया। क्या हेनज़ दवा चोरी करने के लिए सही या गलत था? अपना उत्तर स्पष्ट कीजिए।
(स्रोतः www.apa.org)

क) कम से कम पांच प्रतिभागियों (साथियों और परिवार के सदस्यों, अधिमानतः विभिन्न आयु समूहों से) से पूंछें कि वे उपरोक्त परिदृश्य में क्या करेंगे।

ख) प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाओं को रिकॉर्ड कीजिए और उनकी उम्र और नैतिक विकास के चरण के आधार पर निष्कर्षों की रिपोर्ट कीजिए।

ग) लॉरेंस कोलबर्ग द्वारा दिए गए नैतिक विकास के चरणों की सटीकता पर आलोचनात्मक रूप से चिंतन कीजिए।

2) मीडिया में जेंडर–भूमिका रूढ़िवादों के प्रभाव का वर्णन कीजिए और वे वास्तविक जीवन में जेंडर–भिन्नता अंतर में कैसे योगदान करते हैं।

नोटः कृपया अपने लेख के अंत में लेखों/पुस्तकों के संदर्भ विवरण का उल्लेख कीजिए।